



INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्मविश्वास एवं समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

तीरथ कुमार
एम.एड

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ एजुकेशन
बेलभाठा अभनपुर, रायपुर, छ.ग.

डॉ. रिया तिवारी
प्राचार्य

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ एजुकेशन
बेलभाठा अभनपुर, रायपुर, छ.ग.

डॉ. मुक्ता कौशिक
सह प्राध्यापक

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ एजुकेशन
बेलभाठा अभनपुर, रायपुर, छ.ग.

सारांश

यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण शोध विषय है। उच्चतर माध्यमिक स्तर (Higher Secondary Level) विद्यार्थियों के जीवन का एक संधिकाल होता है, जहाँ वे न केवल शैक्षणिक दबाव का सामना करते हैं, बल्कि शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों से भी गुजरते हैं। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास है। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि (Academic Achievement) केवल उनकी बुद्धि पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके आत्मविश्वास (Self-confidence) और समायोजन (Adjustment) की क्षमता से भी गहराई से जुड़ी होती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि आत्मविश्वास और समायोजन वे दो पहिए हैं, जो विद्यार्थी की शैक्षणिक यात्रा को सुगम और सफल बनाते हैं। यदि विद्यार्थी मानसिक रूप से संतुलित और आत्मविश्वासी है, तो वह कठिन विषयों और प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होता है।

प्रस्तावना -

उच्चतर माध्यमिक स्तर (Higher Secondary Level) के विद्यार्थियों के लिए यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस आयु वर्ग में किशोर शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बदलावों से गुजर रहे होते हैं, जिसका सीधा असर उनकी शैक्षिक उपलब्धि (Academic Achievement) पर पड़ता है।

समस्या कथन

" उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्मविश्वास एवं समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन"

शिक्षा का अर्थ

किसी भी देश या समाज के वर्तमान को विकसित एवं भविष्य को उज्ज्वल बनाने की आधारशिला होती है शिक्षा। शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे बालक का सर्वांगीण विकास हो पाता है। शिक्षा के द्वारा ही समाज अपनी संस्कृति की रक्षा करता है और सभ्यता के रथ को आगे बढ़ाता है।

शिक्षा के उद्देश्य:-

शिक्षा के व्यापक लक्ष्य हैं जैसे - बच्चों के भीतर विचार और कर्म की स्वतंत्रता विकसित करना, दूसरों के कल्याण और उनकी भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता पैदा करना, और बच्चों को नई परिस्थितियों के प्रति लचीले और मौलिक ढंग से पेश आने में मदद करना। शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान नहीं बल्कि कर्म है। शिक्षा मनुष्य को पशुत्व से अलग करती है। यही शिक्षकों को नैतिक और अध्यात्मिक से जोड़ दिया जाए तो व्यक्ति का जीवन सुख-समृद्धि के साथ शांति की स्थापना हो सकती है।

आत्मविश्वास का अर्थ-

योग्यताओं एवं उत्साह पर आधारित विश्वास की मात्रा को कहा जा सकता है। आत्मविश्वास के द्वारा ही आत्म प्रकाशन आत्मविश्वास व्यक्ति का किसी कार्य को पूरा करने के लिए उसकी आंतरिक शक्तियों किया जा सकता है आत्म प्रकाशन आत्मविश्वास में सहायक होता है। आत्मविश्वास सफल जीवन की एक महत्वपूर्ण युक्ति है। यह एक ऐसी युक्ति है जिसके अभाव में व्यक्ति का अन्य हिस्सा क्रियाशील होते हुए भी ऊर्जाहीन होती है।

समायोजन का अर्थ-

समायोजन दो शब्दों को मिलाकर बना है-सम और आयोजन। सम् का अर्थ है भली-भाँति, अच्छी तरह या समान रूप से और आयोजन का अर्थ है व्यवस्था अर्थात् अच्छी तरह व्यवस्था करना। समायोजन का अर्थ हुआ सुव्यवस्था या अच्छे ढंग से परिस्थितियों को अनुकूल बनाने की प्रक्रिया जिससे कि व्यक्ति की आवश्यकताएँ पूरी हो जाए और मानसिक द्वन्द्व न उत्पन्न होने पाये।

अध्ययन का उद्देश्य:-

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धि में प्रभाव का अध्ययन करना।
2. उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि में प्रभाव का अध्ययन करना।
3. उच्चतर माध्यमिक स्तर की विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि में प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

उपर्युक्त सभी बातों को ध्यान में रखते हुए अनुसंधानकर्मी ने निम्न परिकल्पनाएँ की हैं-

- H1. उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक संबंध पाया जाएगा
- H2. उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक संबंध पाया जाएगा।
- H3. उच्चतर माध्यमिक स्तर की छात्राओं के आत्मविश्वास एवं समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक संबंध पाया जाएगा।

अध्ययन का परिशीमन

1. प्रस्तुत लघु शोध हेतु रायपुर जिले के विद्यालय को लिया गया।
2. लघु शोध के लिए उच्च माध्यमिक स्तर की विद्यार्थियों को लिया गया।
3. इस कार्य हेतु 80 विद्यार्थियों को लिया गया जिसमें 40 बालक एवं 40 बालिका है।

न्यादर्श -

न्यादर्श से तात्पर्य समग्र में से चुने हुए कुछ व्यक्तियों या वस्तुओं का संग्रह है। शोध कार्य में किसी भी शोधकर्ता के लिए सभी व्यक्तियों का अध्ययन करना असम्भव है। अध्ययन के लिए कुछ व्यक्तियों को ही लिया जा सकता है जो समग्र जनसंख्या का प्रतिनिधित्व कर सके।

अनुसंधान कार्य के प्रतिदर्श या न्यादर्श का बड़ा महत्व है शोध कार्य समय, साधन तथा सुविधा की कमी के कारण प्रतिदर्शन से अथवा प्रश्न का संकलन कर उसका विश्लेषण कर विवेचना करता है और सामान्यीकरण पर पहुंचता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति से सम्पर्क करना कठिन होता है। इस कार्य हेतु 80 विद्यार्थियों को लिया गया।

न्यादर्श विधि:- प्रस्तुत लघु शोध में यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया गया ।

चर

स्वतंत्र चर. -आत्मविश्वास एवं समायोजन ।

आश्रित चर - शैक्षिक उपलब्धि ।

उपकरण –

आत्मविश्वास – प्रस्तुत शोध में उपकरण के रूप में डॉ. डी.एन. संसनवाल द्वारा निर्मित आत्मविश्वास परीक्षण मापनी का प्रयोग किया गया।

समायोजन – स्वनिर्मित उपकरण का उपयोग किया गया ।

सांख्यिकीय अभिप्रयोग

प्रस्तुत शोध अध्ययन में **सहसंबंध गुणांक (r)** का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों की प्राप्ति, व्याख्या एवं विश्लेषण:-

प्रस्तुत लघुशोध आंकड़ों की व्याख्या विवेचना एवं निष्कर्ष के लिए परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता है।

परिकल्पना क्रमांक 1

H1- उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक संबंध पाया जाएगा ।

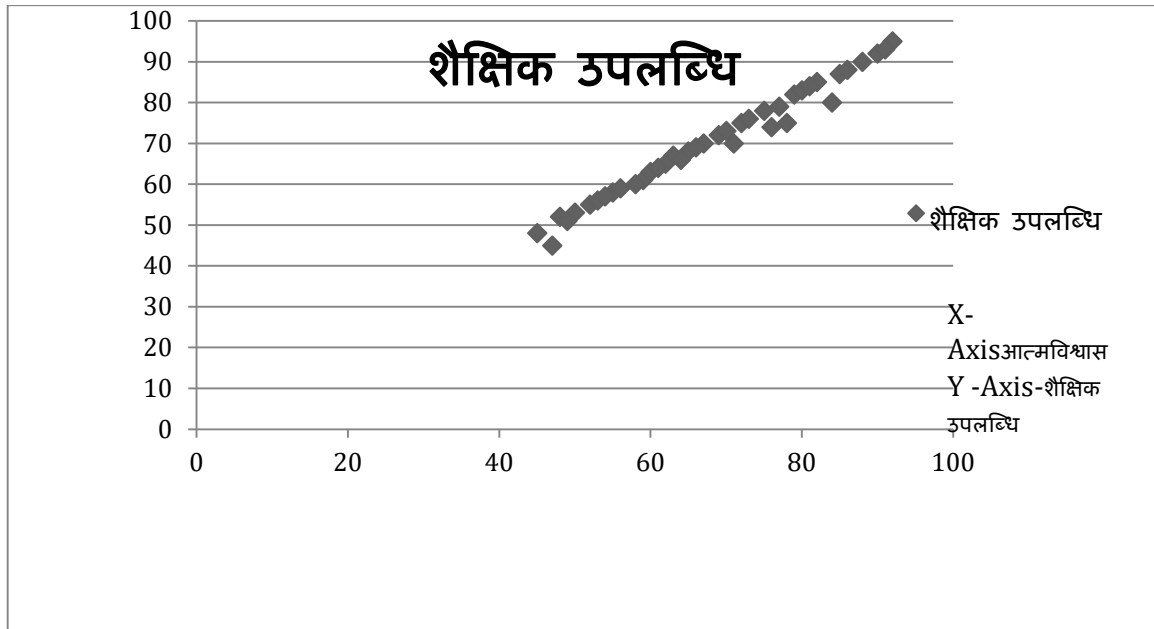
सारणी क्रमांक 1

सहसंबंध गुणांक के आधार पर प्रदत्त का विश्लेषण

Variable	No.of sampling (N)	Correction coefficient (r)	Result
आत्मविश्वास	40	+0.82	उच्च धनात्मक संबंध
शैक्षिक उपलब्धि	40		

व्याख्या :- आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर: हाँ, अध्ययनों से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास (Self-Confidence) और उनकी शैक्षिक उपलब्धि (Academic Achievement) के मध्य सार्थक धनात्मक संबंध पाया जाता है। अतः आत्मविश्वास जैसे जैसे बढ़ेगा शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ेगी ।

निष्कर्ष:- सहसंबंध गुणांक +1 के करीब है अतः आत्मविश्वास जैसे जैसे बढ़ेगा शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ेगी ।



परिकल्पना क्रमांक 2

H2- उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया जाएगा।

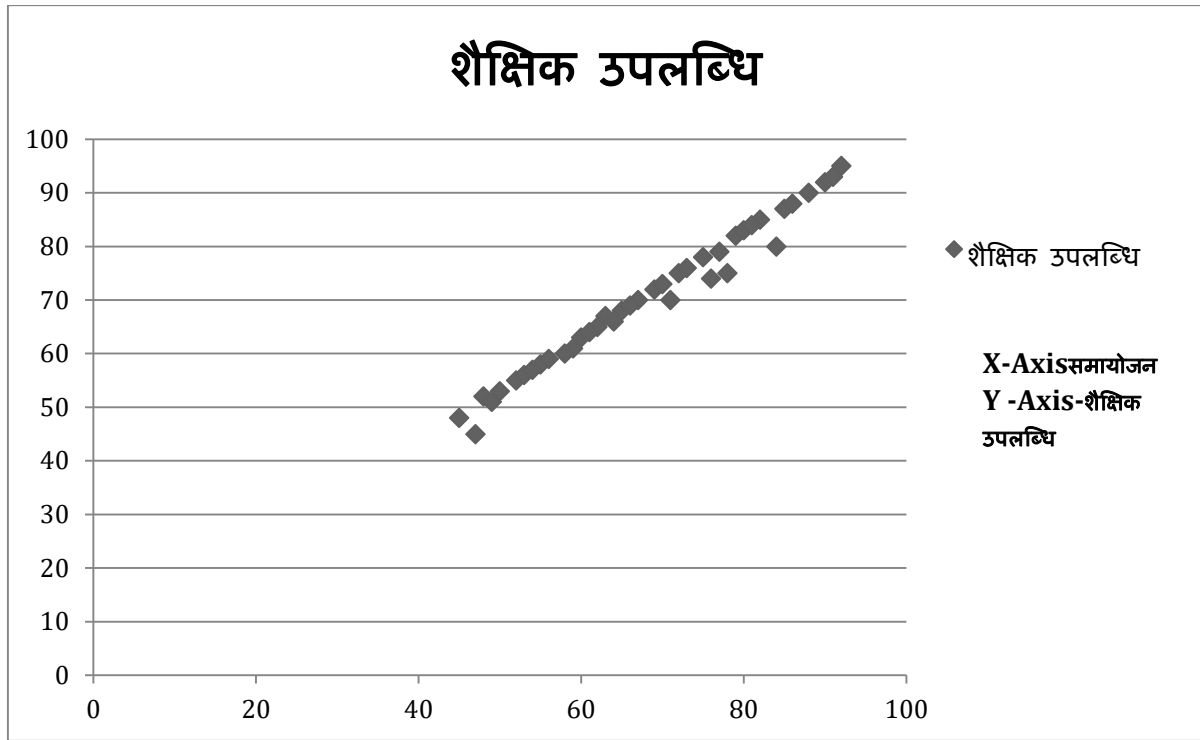
सारणी क्रमांक 2

सहसंबंध गुणांक के आधार पर प्रदत्त का विश्लेषण

Variable	No. of sampling (N)	Correction coefficient (r)	Result
समायोजन	40	+0.94	उच्च धनात्मक संबंध
शैक्षिक उपलब्धि	40		

व्याख्या :- समायोजन स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर: हाँ, शोधों के आधार पर यह पाया गया है कि उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के समायोजन (Adjustment) और उनकी शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर होता है। बेहतर समायोजन (भावनात्मक, सामाजिक, और शैक्षिक) वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि उच्च होती है।

निष्कर्ष:- सहसंबंध गुणांक +1 के करीब है अतः समायोजन जैसे जैसे बढ़ेगा शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ेगी।



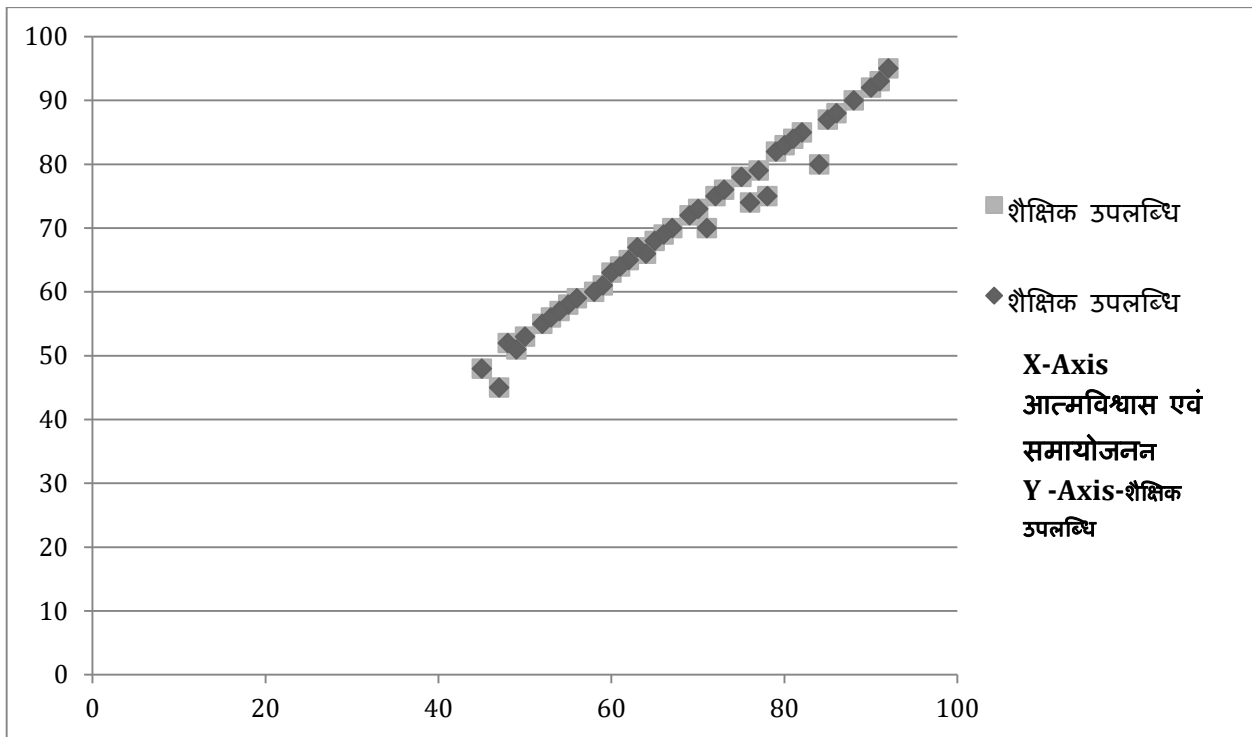
परिकल्पना क्रमांक 3

H3- उच्चतर माध्यमिक स्तर की छात्राओं के आत्मविश्वास एवं समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक संबंध पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 3

Variable	No.of sampling (N)	Correction coefficient (r)	Result
आत्मविश्वास एवं समायोजन	40	+ 0.53	उच्च धनात्मक संबंध
शैक्षिक उपलब्धि	40		

व्याख्या :- छात्राओं के आत्मविश्वास एवं समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक संबंध है, विशेषकर छात्राओं के संदर्भ में, आत्मविश्वास और समायोजन का उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। अध्ययन दर्शाते हैं कि उच्च आत्मविश्वास और अच्छा समायोजन वाली छात्राएं बेहतर शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करती हैं।



विश्लेषण व्याख्या व निष्कर्ष :-

H1- उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक संबंध पाया गया।

व्याख्या :- आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर: हाँ, अध्ययनों से स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास (Self-Confidence) और उनकी शैक्षिक उपलब्धि (Academic Achievement) के मध्य सार्थक धनात्मक संबंध पाया जाता है। उच्च आत्मविश्वास वाले छात्रों का शैक्षिक प्रदर्शन निम्न आत्मविश्वास वाले छात्रों से बेहतर होता है।

निष्कर्ष - r का मान $+0.70$ से $+1.00$ के बीच है: "छात्रों के आत्मविश्वास/समायोजन और उनकी उपलब्धि के बीच उच्च धनात्मक सहसंबंध है।"

H2- उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध पाया गया।

व्याख्या :- समायोजन स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर: हाँ, शोधों के आधार पर यह पाया गया है कि उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के समायोजन (Adjustment) और उनकी शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध होता है। बेहतर समायोजन (भावनात्मक, सामाजिक, और शैक्षिक) वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि उच्च होती है।

निष्कर्ष:- सहसंबंध ($r = +0.95$): यह एक उच्च धनात्मक सहसंबंध (High Positive Correlation) है। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे विद्यार्थियों का समायोजन स्तर बढ़ता है, उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ती है।

H3- उच्चतर माध्यमिक स्तर की छात्रों के आत्मविश्वास एवं समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध पाया जाएगा।

व्याख्या :- छात्रों के आत्मविश्वास एवं समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध: हाँ, विशेषकर छात्रों के संदर्भ में, आत्मविश्वास और समायोजन का उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। अध्ययन दर्शाते हैं कि उच्च आत्मविश्वास और अच्छा समायोजन वाली छात्राएं बेहतर शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करती हैं।

निष्कर्ष:- उच्चतर माध्यमिक स्तर की छात्रों के आत्मविश्वास एवं समायोजन का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ सार्थक धनात्मक संबंध पाया गया।"

शोध अंतराल

आत्मविश्वास (Self-confidence) और समायोजन (Adjustment) मनोविज्ञान के दो ऐसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जो व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य और सफलता को निर्धारित करते हैं। हालांकि इन पर दशकों से शोध हो रहा है, लेकिन वर्तमान समय की बदलती परिस्थितियों (जैसे तकनीक, सोशल मीडिया और महामारी के बाद का प्रभाव) ने कई नए शोध अंतराल (Research Gaps) पैदा कर दिए हैं।

सुझाव:-

1. शिक्षकों और अभिभावकों को घर व स्कूल में भयमुक्त और प्रोत्साहित करने वाला वातावरण बनाना चाहिए।
2. विद्यालयों में काउंसलर (Counselor) की नियुक्ति करें जो छात्रों की समायोजन समस्याओं को सुलझा सकें।
3. आत्म-विश्वास बढ़ाने के लिए खेलकूद, वाद-विवाद, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी अनिवार्य करें।
4. पाठ्यक्रम में विविधता हो ताकि विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विषय चुन सकें।
5. कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक (Remedial) कक्षाएं संचालित करें।
6. पाठ्यक्रम में संवेगात्मक बुद्धि विकसित करने वाले पाठ शामिल करें।
7. टीचर मीटिंग (PTM) में सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि बच्चे के व्यवहार व समायोजन पर चर्चा करें।
8. विद्यार्थियों को छोटे-छोटे अकादमिक लक्ष्य (Short-term goals) निर्धारित करने के लिए प्रेरित करें।
9. छात्रों को अपनी गलतियों से सीखने और खुद का आकलन करने के लिए प्रोत्साहित करें।
10. लैंगिक भेदभाव या रूढ़िवादी सामाजिक सोच को खत्म करें

संदर्भ सूची :-

1. एस. के. गुप्ता (2008). शैक्षिक मनोविज्ञान, प्रिन्टेज हॉल इण्डिया, नई दिल्ली।
2. कौर प्रभाजीत (2013). ने हाई स्कूल के विद्यार्थियों के आत्म-विश्वास पर माता-पिता तथा बच्चों के सम्बन्धों के प्रभाव का अध्ययन, जनरल ऑफ सायेंकोलाजीकल रिसर्च ।
3. वर्मा शालिनी (2013). शोधकर्ती की शोध अध्ययन का विषय था बदलते परिवेश में छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर आत्मविश्वास का प्रभाव, एशियन जनरल ऑफ साकोलाजी एण्ड एजुकेशन।
4. राजपूत जे. एस. (1988-1992). फिफथ सर्वे ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली वॉल्यूम-1।
5. राजपूत जे. एस. (1993-2000). सिक्सथ सर्वे ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, एन. सी. ई. आर. टी., नई दिल्ली, वॉल्यूम-1।
6. सिंह रामपाल एवं ओ. पी. शर्मा (2002), शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा
7. सुरेश भटनागर (2000) शिक्षा मनोविज्ञान
8. आस्थाना विपिन, श्रीवास्तव विजया एवं आस्थाना निधि (2012-13) "शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी" अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा पृ. मं (150-165)।
9. पाठक पीडी शिक्षा मनोविज्ञान पुस्तक मंदिर आगरा 2007
10. Agarwal, M. P. (1969), "Measurement and competence of teachers of primary school"
11. (M.P).Ph.D thesis, Sagar University
12. Aggarwal, J C. (1995). "Essentials of ducational psychology. New Delhi: Vikas Publishing House Private Limited."
13. Aggarwal S.M. (1977). "A Course in teaching of Modem Mathematics. New Delhi:
- 16.Sarita Rai & Dr. A.K. Garg: A Study of learning difficulty in